डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा नारी चेतना कार्यक्रम का आयोजन
पुष्पिता अवस्थी, आकांक्षा पारे काशिव एवं सुजाता ने किया रचना–पाठ

नई दिल्ली। 16 दिसंबर 2019; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित नारी चेतना कार्यक्रम में आज तीन लेखिकाओं ने अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम युवा कवयित्री सुजाता ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। उनकी कविताएँ स्त्रियों पर लागू विभिन्न प्रतिबंधों और उनके बीच दबते उनके स्वरों को प्रतिबिंबित करती हुई थी। कुछ कविताओं के शीर्षक थे – 'हमें चाहिए मुक्त मन', 'नहीं मरूंगी मैं', 'औसत औरत', 'प्रतिरोध', 'आपदा प्रबंधन' एवं 'क्षत–विक्षत'।

आकांक्षा पारे काशिव ने अपनी कहानी 'मणिकर्णिका' प्रस्तुत कीं। कहानी चार युवा महिलाओं की जिंदगी की जिद्दोजहद के बीच मोटर साइकिल चलाने की इच्छा और समय आने पर लड़कों से प्रतिरोध पर आधारित थी। कहानी की भाषा और रोचक प्रस्तुति को श्रोताओं ने बेहद प्रस्तुत किया।

नीदरलैंड से आई पुष्पिता अवस्थी ने भी अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं जो स्त्री अस्मिताओं के विभिन्न पक्षों को उजागर करने वाली थीं। कुछ कविताओं के शीर्षक थे – 'सम्पूर्ण देह को नया नाम चाहिए', 'नाखून', 'लेगेसी' एवं 'बीज' इत्यादि। कार्यक्रम का संचालन संपादक हिंदी अनुपम तिवारी ने किया। कार्यक्रम में कमल कुमार, रीतारानी पालीवाल, विमल कुमार, ओम निश्चल एवं कई प्रख्यात रचनाकार उपस्थित थें।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

NARI CHET

MINISTRY OF CULTURE • GOVERNMENT OF INDIA
150
YEARS OF
CELEBRATING
THE MAHATMA
साहित्य अकादेमी
नारी चेतना
NARI CHETNA

Het beeld in de rots
The statue in the rock
Bisleri